बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

दाऊद, एक चरवाहा लड़का

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Lazarus
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

बहुत समय पहले, इस्राएल राजा शाऊल के दिनों में, दाऊद नाम का एक लड़का अपने सात भाईयों के साथ अपने पिता के भेड़ों की रखवाली करने में मदद करता था। हालांकि वह सबसे छोटा था, पर दाऊद, एक मजबूत, बहादुर और परमेश्वर को प्यार तथा उसपर भरोसा करता था। वे सब बैतलहम के एक शहर में रहते थे।

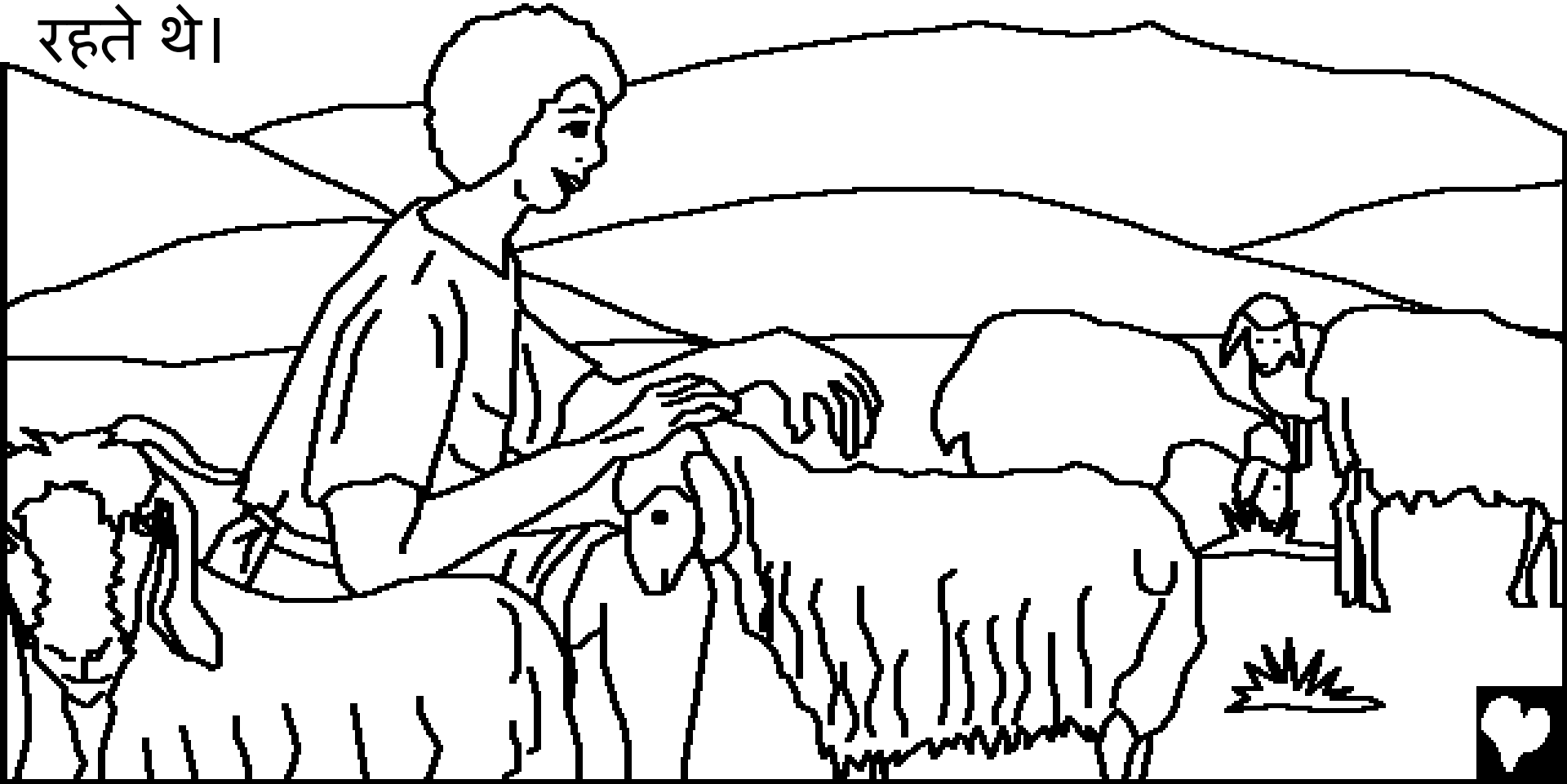

एक दिन एक शेर छोटे मेमने को खाने के लिए झुंड पर हमला किया। बालक दाऊद हमलावर पर हमला कर दिया। मेमने को बचाने के बाद, वह उस भयावह गरजने वाले जानवर के जबड़े को पकड़ा और उसे मार डाला। दाऊद को पता था कि परमेश्वर ने उसे मदद की थी।

शमूएल, परमेश्वर का भक्त, अभी भी राजा शाऊल से दुःखी था, जो बुरी तरह से परमेश्वर की योजन को विफल किया था।

परमेश्वर ने शमूएल को डांटा, "कब तक तुम शाऊल के लिए शोक करोगे?" "मैं तुम्हे यिशै के पास भेजता हूँ ... क्यूंकि मै ने उनके बेटों के में से एक को राजा चुन लिया है" यिशै दाऊद का पिता था।

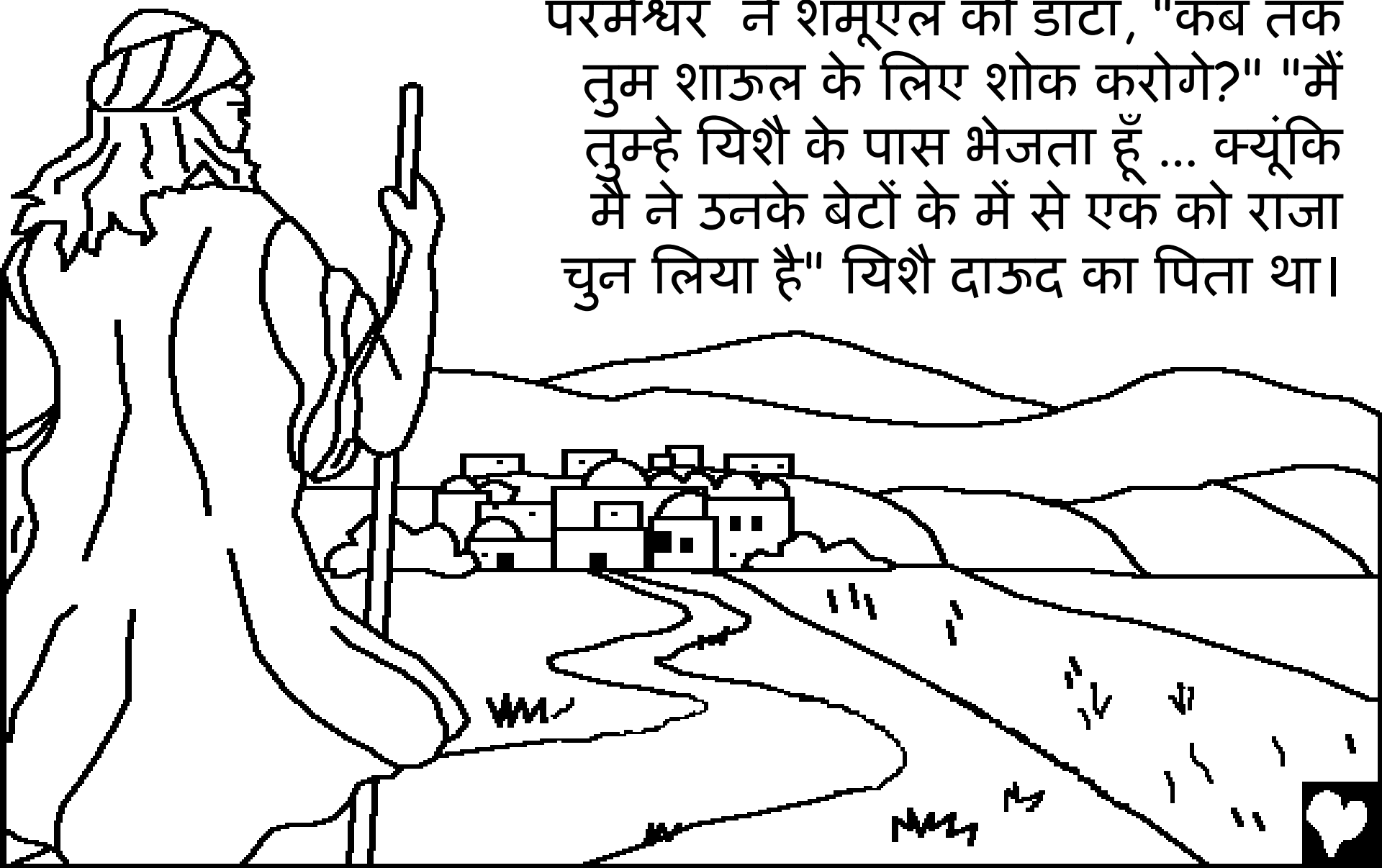

हालांकि शमूएल को यह पता था
कि यदि वह नए राजा की तलाश
में जायेगा तो, राजा शाऊल उसे
जान से मार सकता है, फिर भी
पैगंबर ने परमेश्वर की बात मानी।

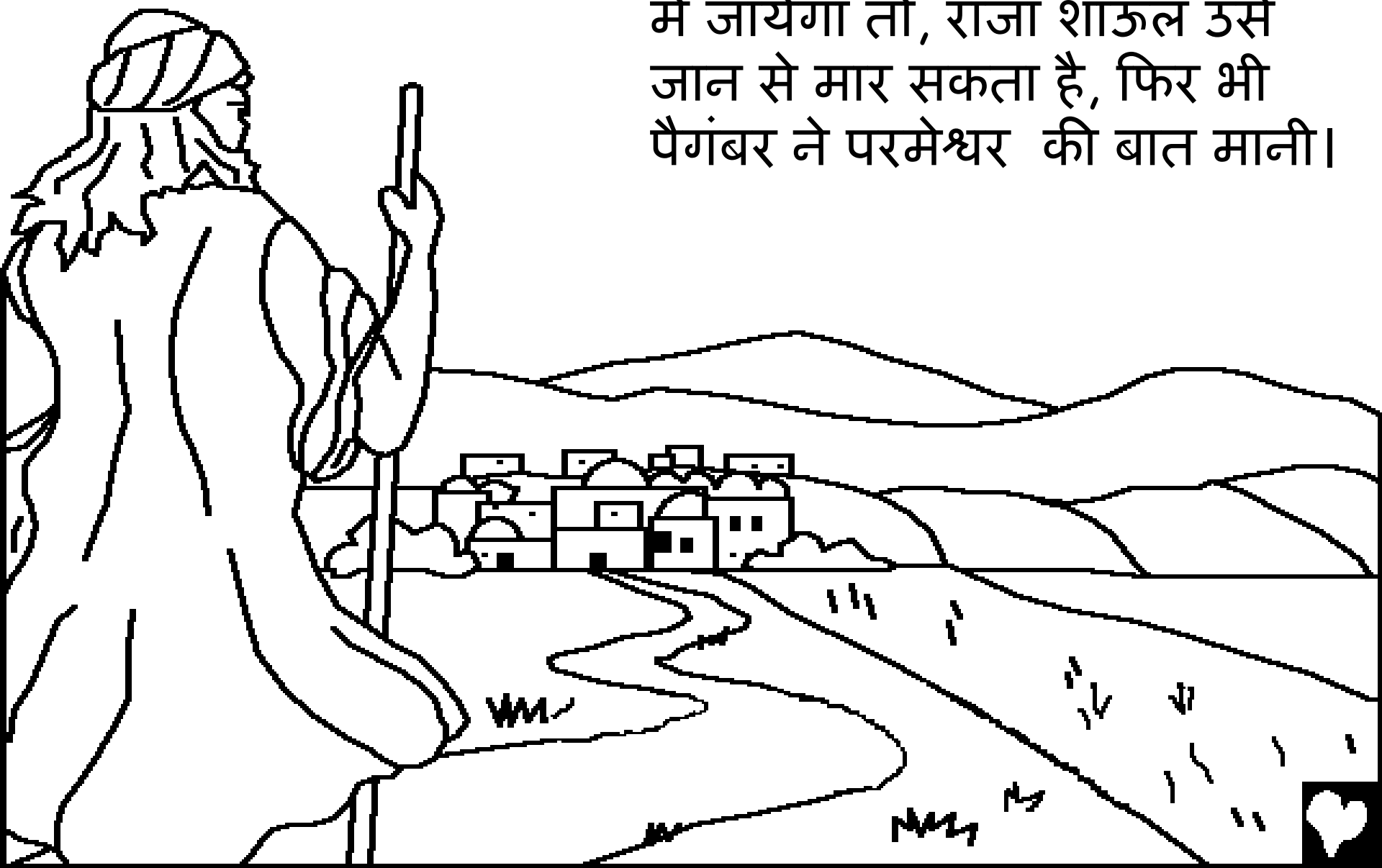

जब शमूएल वहां पहुंचा, यिशै अपने सातों बेटों को शमूएल के सामने आने के लिए कहा। शमूएल ने यिशै से कहा, "यहोवा ने इन में से किसी को नहीं चुना है" अब केवल दाऊद, सबसे छोटा बेटा बच गया है। वह भेड़ों के साथ बाहर गया था। दाऊद को अंदर लाये। और यहोवा ने कहा, "यही है,उठ, उसे अभिषेक कर"।

शाऊल के महल में से प्रभु
का आत्मा शाऊल को छोड़कर
चला गया और अब वह एक
बहुत परेशान मनुष्य हो गया।
उसके कर्मचारियों ने सोचा
शायद अच्छा संगीत शाऊल के
मन को स्थिर कर
सकता है।

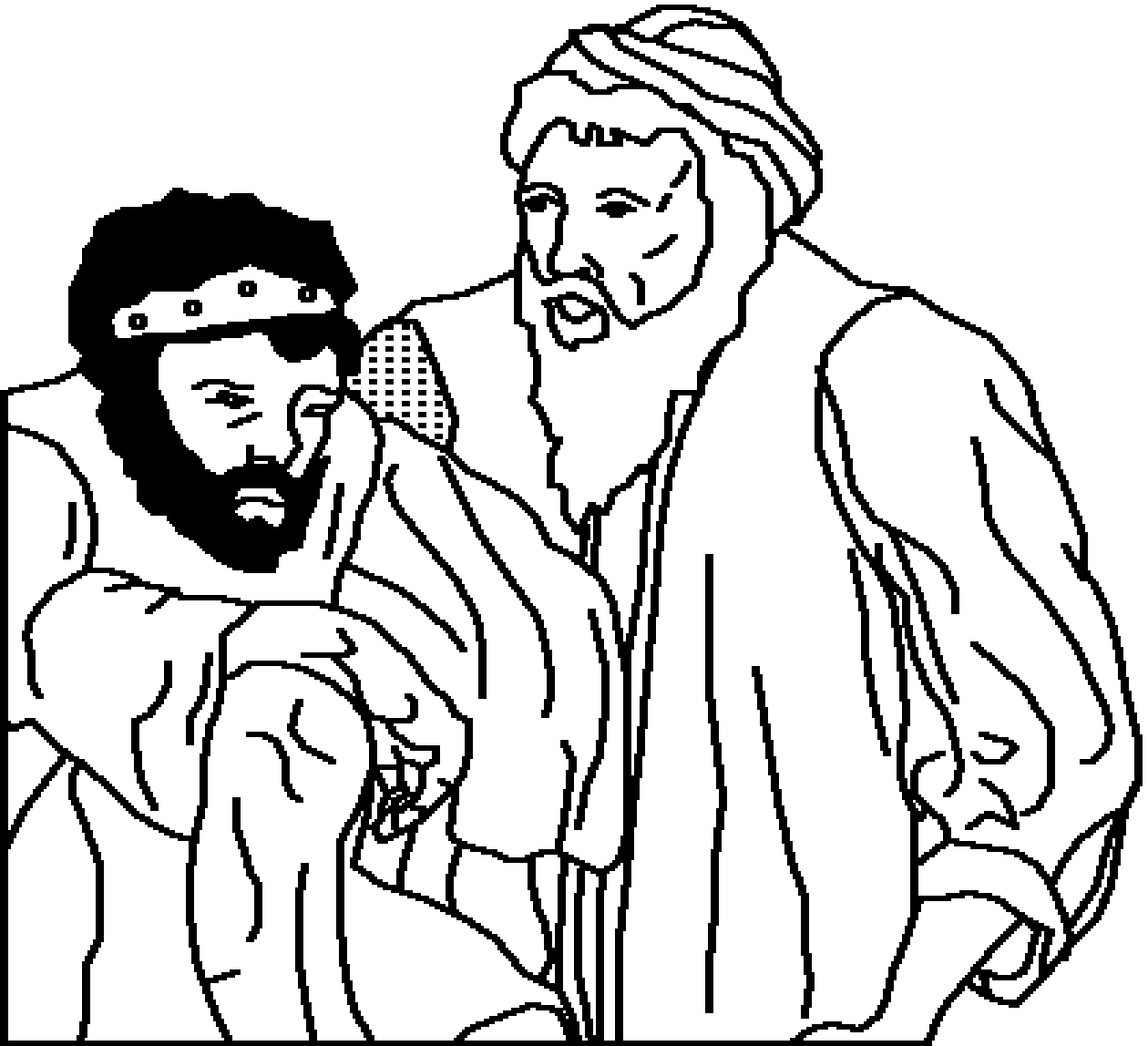

उनमें से एक, किसी युवक को जानता था जिसको बहुत अच्छी तरह से वीणा बजाना आता था। आपको क्या लगता है कि वह युवक कौन था, अनुमान लगाइये? हाँ, वह दाऊद ही था।

दाऊद का संगीत शाऊल को शांत किया
और सही सोचने के लिए उसे मदद की।
शाऊल ने यिशै से दाऊद को राजा की
सेवा में रहने के लिए माँगा। जब कभी
भी शाऊल को उदासी या डर का दौरा
पड़ा, दाऊद ने उसके लिए वीणा
बजायी जिससे शाऊल को
बड़ी मदद मिली।

जब दाऊद अपने घर चला गया तब, शाऊल पलिश्तियों के साथ एक बड़ी लड़ाई लड़ी। दाऊद के भाई शाऊल की सेनाओं की और से लड़े। यिशै दाऊद को उसके भाइयों के पास भेजा ताकि उनके लिए वह खाना ले जाये और पता लगाये कि वे लड़ाई के मैदान में कैसे हैं।

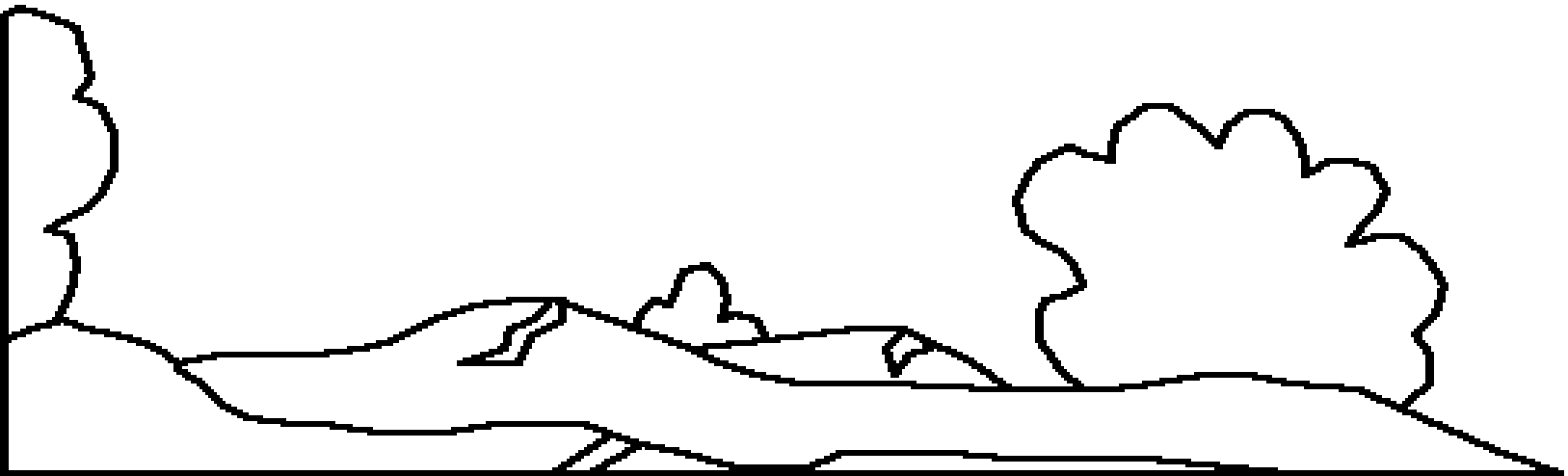

एक विशाल पलिश्ती ... विशाल, गोलियात, सब इस्राएली सैनिकों को डरा दिया था।

"अपने लिए एक आदमी को चुन लो, और उसे मेरे पास आने दो!" गोलियात चिल्लाया। यदि वह मेरे साथ लड़े और मुझे मार डाले, तो हम सब हमेशा के लिए तुम्हारे गुलाम हो जाएगे। लेकिन यदि मैं उसे मार डालू, "तो तुम सब हमारे नौकर और हमारी हमेशा सेवा करना।"

इस्राएल के सभी पुरुषों ने जब उसे देखा, उस विशाल आदमी को देख कर उसके पास से भाग गए और बहुत डर गये।

तब दाऊद ने शाऊल से कहा, "उसके कारण इतना डरने की बात नहीं है, अपने इस दास को जाने दे, मै इस पलिश्ती के साथ लड़ूंगा।" शाऊल चाहता था की दाऊद कवच पहने और एक तलवार के साथ जाये। इसके बजाय, दाऊद ने अपने गोफन को लिया और नाले में से पांच चिकने पत्थर उठाया।

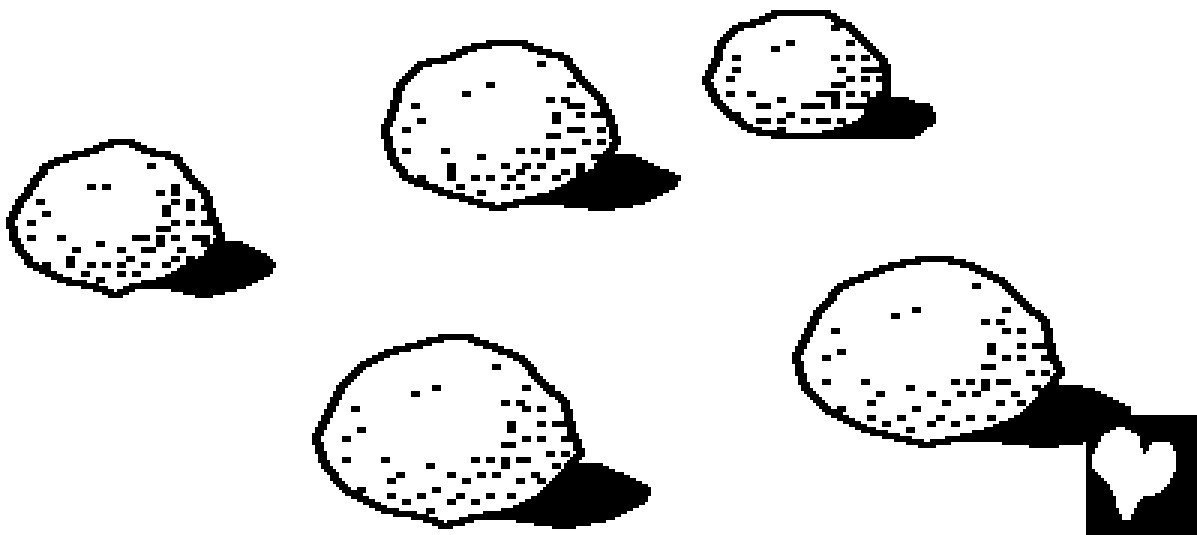

जब उस बालक दाऊद को गोलियात ने बिना कवच का देखा, तब हँसा। वह गरजते हुवे बोला, "मैं आकाश के पक्षियों और मैदान के पशुओं को तुम्हारे शरीर को खाने को दूँगा!" दाऊद ने जवाब दिया, "मैं तुम्हारे पास प्रभु के नाम से आता हूँ!" "आज के दिन यहोवा तुम्हे मेरे हाथ में कर देगा...क्योंकि यह लड़ाई यहोवा का है!"

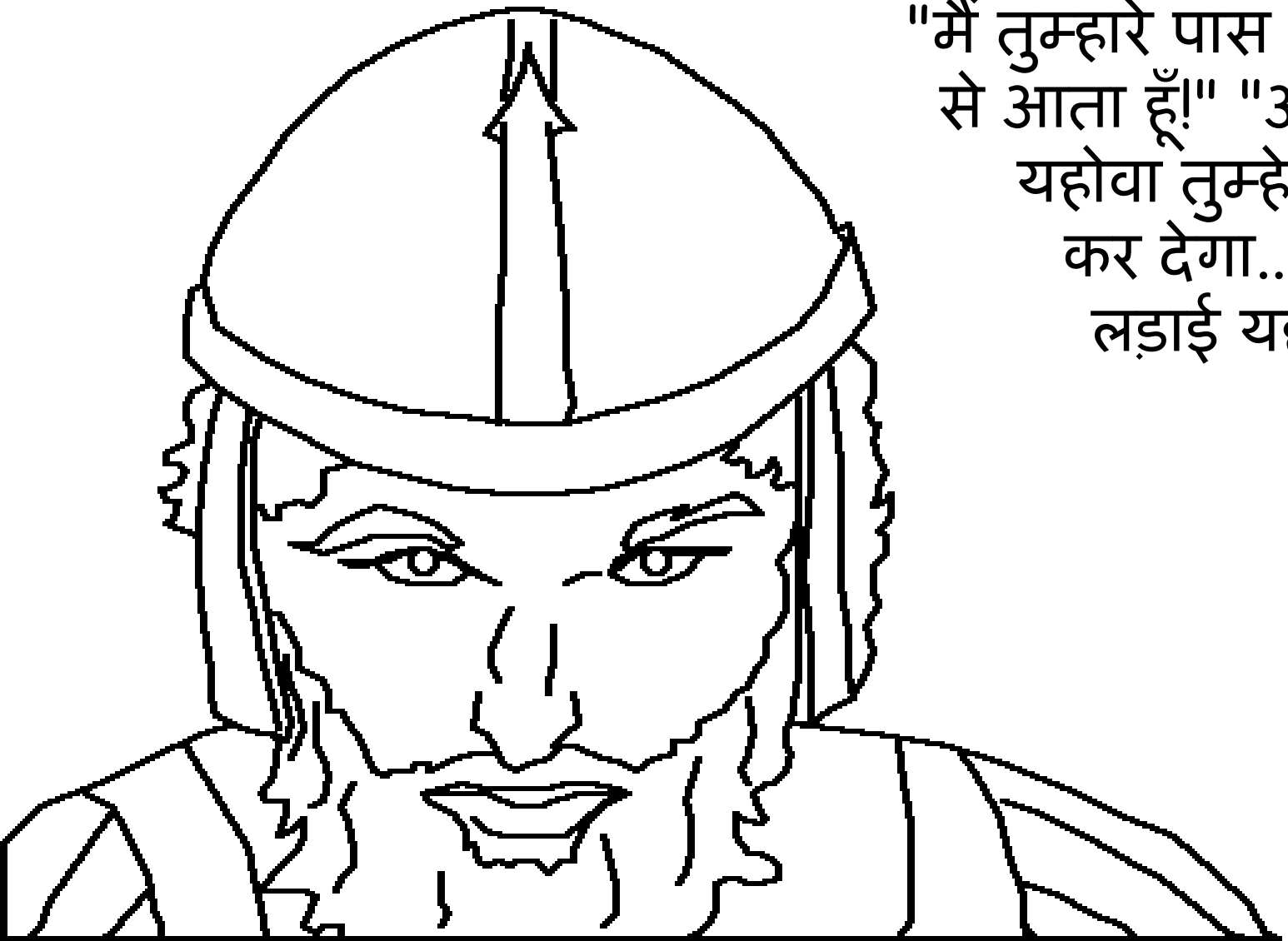

तब दाऊद सीधे गोलियात की ओर भागा। दौड़ते हुए, वह अपने गोफन से एक पत्थर निकाल कर - गोलियात के माथे में मारा। गोलियात गिर गया!

दाऊद जल्दी से गोलियात की विशाल तलवार खींच कर उसका सिर काट कर अलग कर दिया। जब पलिश्ती गोलियत को मृत देखे, वे अपने जीवन को बचने के लिए भाग गये।

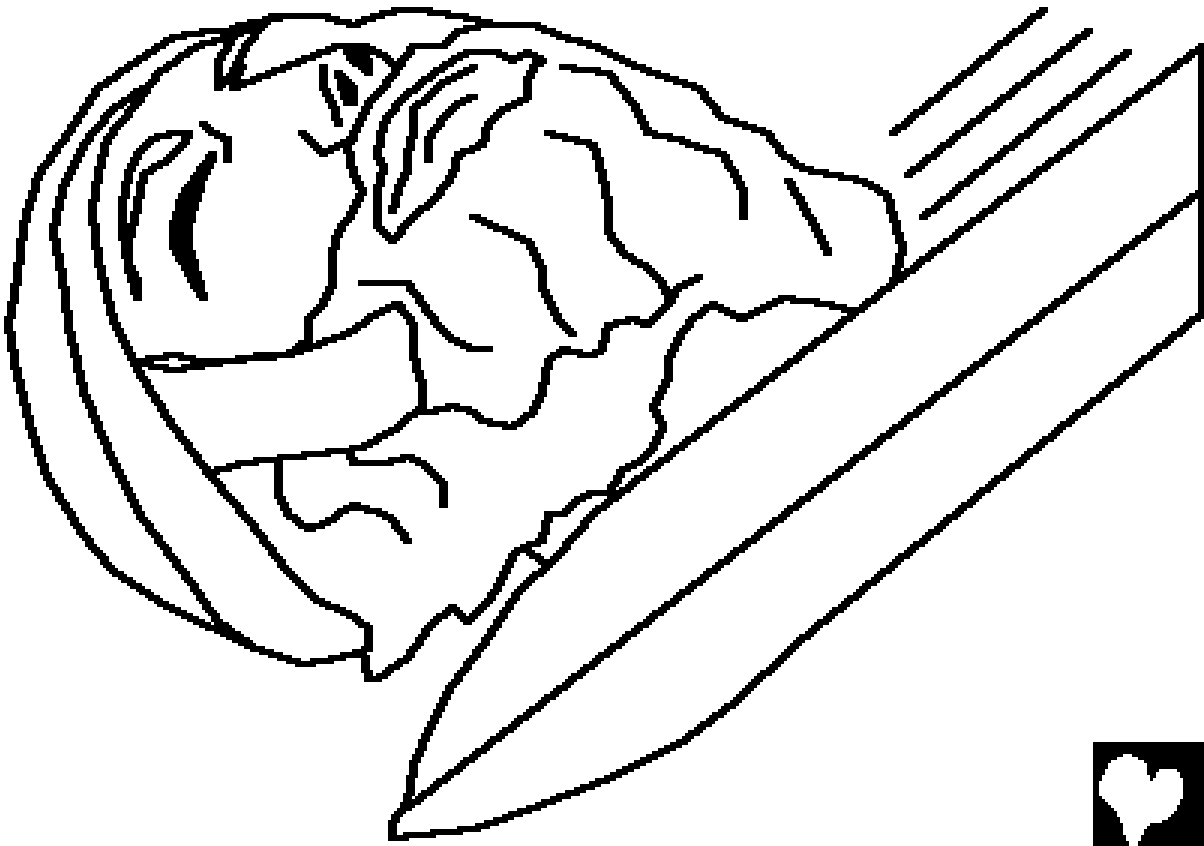

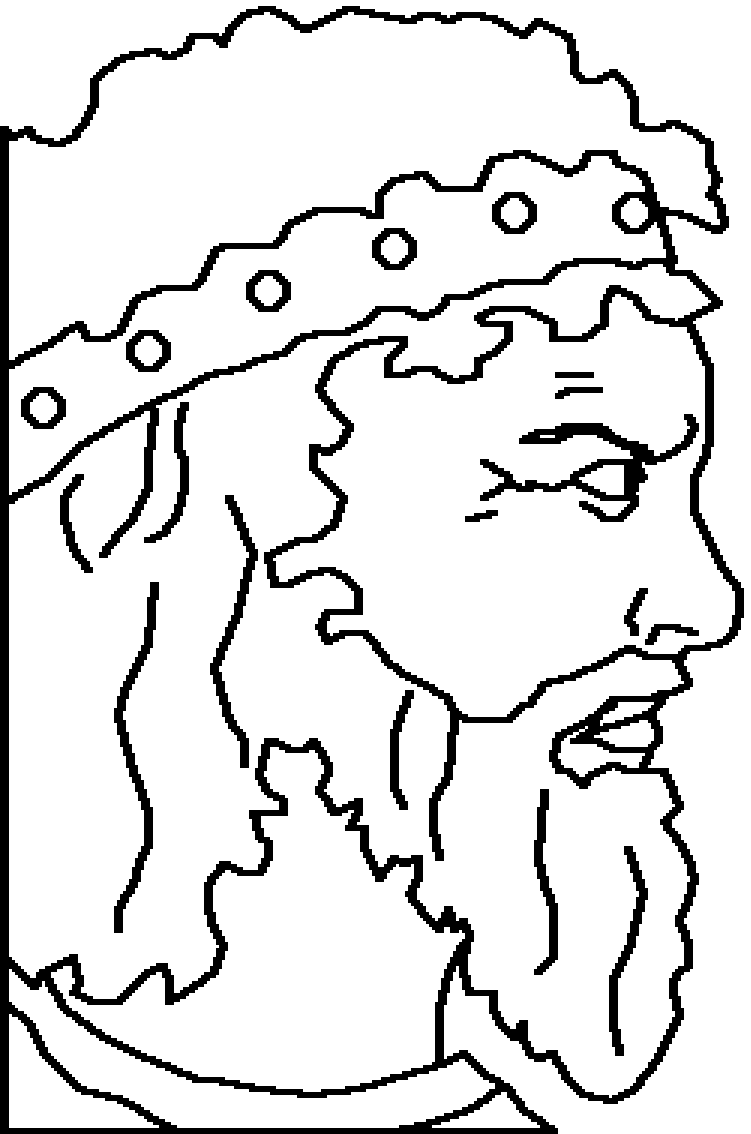

राजा शाऊल को यह याद नहीं था की यह वही दाऊद है जो उसके लिए वीणा बजाया करता था। उसने दाऊद को अपनी सेना का मुखिया बना दिया - और जब लोग दाऊद की जीत को सम्मानित किया, तब वह ईर्ष्या से भर गया। शाऊल ने सोचा, "अब और उसे क्या चाहिए, राज्य?" उस दिन से शाऊल, दाऊद पर नजर रखने लगा।

फिर, राजा शाऊल का मन परेशान हुआ। तब दाऊद ने संगीत बजाकर उसे शांत करने और पीड़ा कम करने की कोशिश की। तीन बार शाऊल ने दाऊद पर उसका भाला फेका। लेकिन दाऊद हर बार बच गया। शाऊल, दाऊद से डरता था,

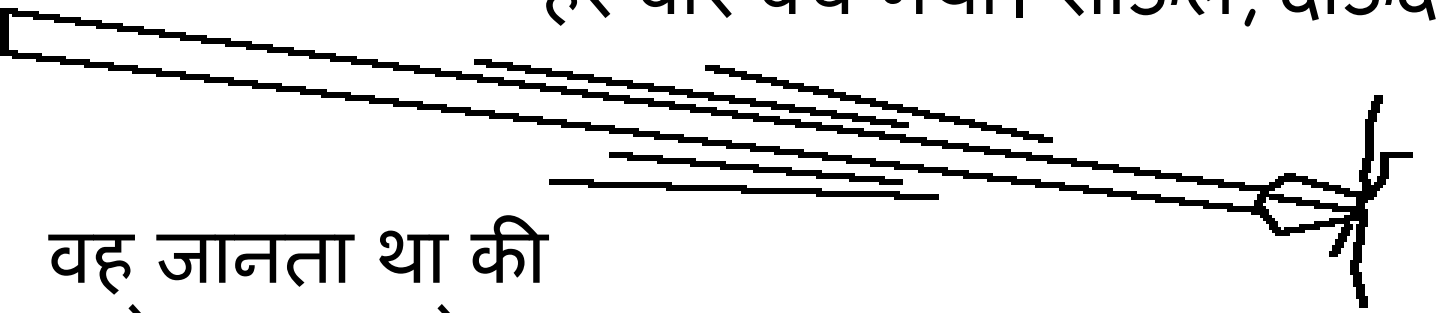

वह जानता था की
यहोवा दाऊद के साथ
था और शाऊल को
त्याग दिया था।

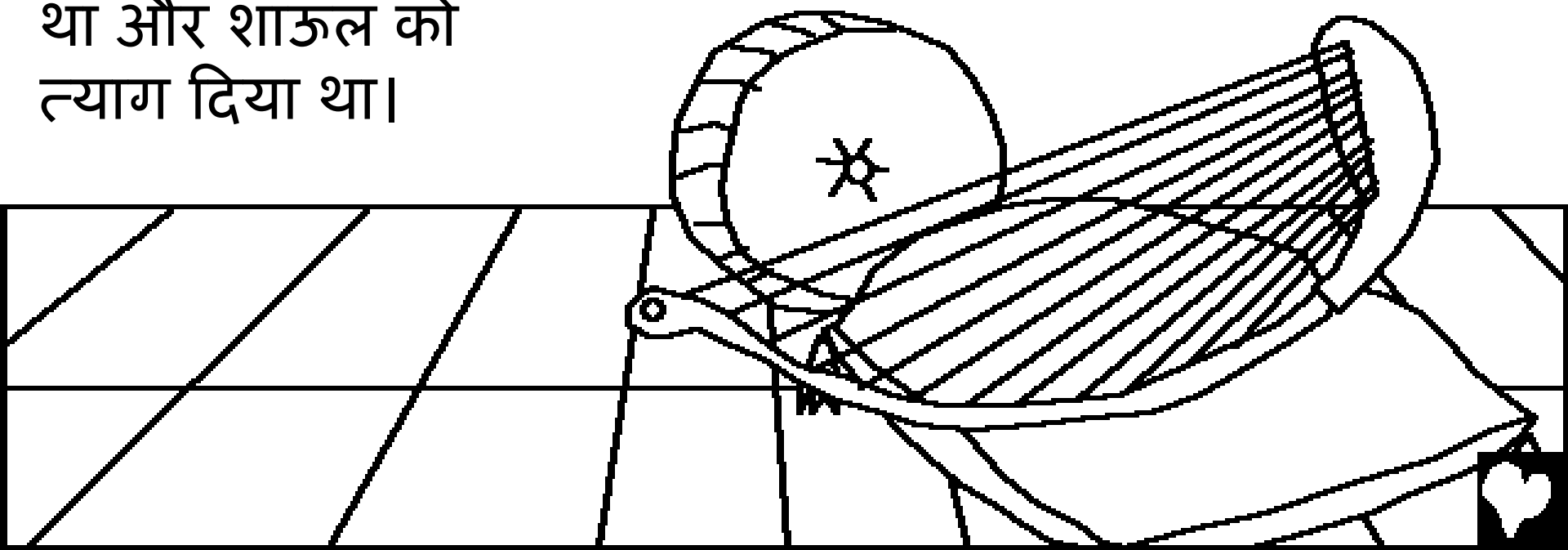

लेकिन शाऊल का बेटा योनातान, दाऊद को एक भाई की तरह प्यार करता था। "मेरा पिता शाऊल तुम्हें मारना चाहता है, उसने दाऊद को चेतावनी दी।" इसलिए दाऊद भाग निकला। उसकी पत्नी ने उसके बिस्तर में एक पुतला रख दिया, और मध्य रात में दाऊद खिड़की से ऊतर कर भाग निकला। जब शाऊल के सेवक सुबह आये तो देखे, दाऊद भाग चुका था।

दाऊद को शाऊल से बहुत दूर भागना पड़ा। भागने से पहले उसने योनातान के साथ एक वाचा बाँधी। उन्होंने हमेशा एक दूसरे की मदद का वादा किया।

अफसोस करते हुए, दोनो दोस्तों ने एक दूसरे को अलविदा कहा। दाऊद एक ऐसे जगह की तालाश में था, जहाँ वह शाऊल के सैनिकों के ढूंढ पाने के डर के बिना रह सके।

दाऊद, एक चरवाहा लड़का

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 शमूएल 16-20

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16